सादर प्रकाशनार्थ,

योग दिवस पर अनेकानेक कार्यकम

कोरबाः 22.06.2017–प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के तत्वाधान में अतर्राष्ट्रोय योग दिवस के अवसर पर ध्यान–योग–प्राणायाम शिविर एवं परिचर्चा का आयोजन ओपन थियेटर घंटाघर में किया गया। भ्राता बिहारीलाल सोनी, भ्राता रामकुमार साहू, बहन छाया साहू, ने अपने विचार व्यक्त किये। जिला प्रसाशन द्वारा सी.एस.ई.बी. मैदान में आयोजित कार्यकम में संस्थान के सदस्यों ने बड़ी संख्या में अपनी सहभागिता निभाई।

सामुदायिक भवन बाल्को में आयोजित कार्यकम में भ्राता बिहारीलाल सोनी ने कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति का प्रतीक है। योग से स्वास्थ्य तो प्राप्त होता ही है लेकिन इसके साथ हमारे कार्य व्यवहार में कुशलता आती है। बहन इन्दु शर्मा अध्यक्षा गौमुखी सेवाधाम देवपहरी ने कहा कि प्रकृति के साथ विपरीत वातावरण में प्रभावित न होना ही योग की शक्ति के प्रयोग का एक प्रारूप है। बहन रजनी शर्मा खण्ड स्तर अन्वेषक सांख्यिकी विभाग ने कहा कि जीवन में विपरीत परिस्थितियों का हल योग में ही समाहित है। ब्रह्माकुमारी रूकमणी बहन संचालिका कोरबा सेवाकेन्द्र ने कहा कि श्रीकृष्ण ने युद्ध के मैदान में अर्जुन को कोई कर्मयोग का ज्ञान दिया न कि योग–प्राणयाम कराया। मन को सशक्त बनाने के लिये राजयोग का अभ्यास सर्वश्रेष्ठ है।ै बहन सुधा शर्मा ने भजन की प्रस्तुति दी।

पावर ग्रिड कारपोरेशन आफ इण्डिया भैसमा–कोरबा में आयोजित कार्यकम में भ्राता आर.के गवेल उप. महाप्रबंधक ने कहा कि समय के साथ–साथ हमने कई प्रकार के मुखौटे पहन लिये हैं जिससे हमारी आत्मा की मूल शक्ति का ह्रास हुआ है। अहं से आवेश की उत्पत्ति होती है और यदि हम हरेक आत्मा के पार्ट को साक्षी होकर देखें तो मन शांत रहेगा। आज इस अभ्यास की आवश्यकता है कि हम एक अविनाशी आत्मा असीम ईश्वरीय शक्तियों से समाहित हूं। भ्राता एस.के.कमिला अति.महाप्रबंधक ने कहा कि पावर ग्रिड परिवार की ओर से तृतीय अंतर्राष्ट्रीय दिवस की सभी को बधाई और शुभकामनायें दी। आपने प्रधान मंत्री जी के प्रयास और प्रेरणाओं के प्रति धन्यवाद व्यक्त करने

हुए कहा कि योगाभ्यास से कार्य व्यवहार और परिवार को खुशहाल बना सकते हैं। भ्राता निश्चय खलखो, पंकज कुमार, ओ.डी लहरे एवं महिला मण्डल ने भी शुभकामनायें व्यक्त की। ब्रह्माकुमारी विद्या बहन ने कहा कि योग तो हमारे देश की उपज है, लकिन आज देश–विदेश में इसका अभ्यास सभी कर रहें हैं। ब्रह्माकुमारी लीना बहन ने मन की शांति के लिये राजयोग का अभ्यास कराया। भ्राता एम.एच.सिद्धकी उप प्रबंधक ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मानवता की सेवा में, ब्रह्माकुमारी रूकमणी।